N-391

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढो

विषय –छत्तीसगढ़ी का इतिहास **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ी व्याकरण के क्षेत्र में प्रथम प्रयास किसका है ?
2. डॉ. बिहारी लाल साहू ने छत्तीसगढ़ी में कुल कितने वर्ण माने हैं ?
3. छत्तीसगढ़ी के क्रान्तिकारी कवि कौन हैं ?
4. श्यामलाल चतुर्वेदी के कहानी संग्रह में 'भोलवा भोलाराम' में कुल कितनी कहानियाँ हैं ?
5. दानेश्वर शर्मा की सन् 1966 में प्रकाशित प्रथम रचना का नाम क्या है ?
6. 'श्री शारदा' पत्रिका कहाँ से प्रकाशित होती थी ?
7. एशिया की प्राचीन नाट्यशाला (लगभग तीसरी शताब्दी) किस पर्वत पर स्थित है ?
8. छत्तीसगढ़ शब्द का प्रयोग किस दरबारी कवि ने कब किया ?

खण्ड–ब

9. छत्तीसगढ़ के नामकरण पर लिखिए।
10. लोकगाथा की परिभाषा लिखिए।
11. लोककथाओं से हमें क्या सीख मिलती है ?
12. सन्त काव्य में गुरु महिला का वर्णन कीजिए।
13. गुरु घासीदास ने कैसे समाज की कल्पना की थी ?
14. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा का जीवन परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा के काव्य के भाव पक्ष को स्पष्ट कीजिए।
16. मुकुटधर पाण्डेय के ग्रामीण परिवेश को लिखिए।
17. दानेश्वर शर्मा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
18. लोचन प्रसाद पाण्डेय की रचनाओं की विशेषताओं को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. छत्तीसगढ़ी भाषा के लिंग निर्धारण को सोदाहरण समझाइए।
20. तृतीय उन्मेष के छत्तीसगढ़ी काव्य की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
21. लोकगाथाओं के उद्‌भव व विकास पर प्रकाश डालिए।
22. ''संत धर्मदास के पदों में सन्त काव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ अभिव्यक्त हुई हैं।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी के विकास में पण्डित मुकुटधर पाण्डेय के योगदान को समझाइए।
24. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N-392

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी का भाषा विज्ञान **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ी के पश्चिमी बोली के का नाव हावै।
2. छत्तीसगढ़ी म उपयोग करत अंग्रेजी शब्द के नाम लिखा। कहुँ 2 ठन
3. 'सुराजगीत' कविता ल कोन लिखे है ?
4. करजाबांड़ी का हिन्दी पर्याय लिखिए।
5. छत्तीसगढ़ी बोली हर कोन उपभाषा म गनती होथे।
6. तुममन–तुमन–तुमन–म कोन वचन लगे हे।
7. धान काटे के बाद कोन तिहार मनाथैं।
8. जेकर नाम म तुँहर विश्वविद्यालय हावै, तेकर एक ठन छत्तीसगढ़ी रचना के नाव लिखा।

खण्ड–ब

9. छत्तीसगढ़ी के पाँच ठन विशेषता बतावा।
10. राजभाषा छत्तीसगढ़ी बर अपन विचार बतावा।

11. अ–उपसर्ग ले पाँच ठन शब्द बनावा।

12. छत्तीसगढ़ी म कय ठन समास होवे, नाव लिखा।

13. छत्तीसगढ़ी के पाँच ठन खण्ड काव्य के नाव बतावा।

14. छत्तीसगढ़ म बल्लभाचार्य प्रभु के जनम स्थान कहाँ हावे, ओहर अऊ कीवर प्रसि(हावे ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. छत्तीसगढ़ी के पाँच कवि मन के नाव लिखा।

16. छत्तीसगढ़ी भाषा म एम. ए. करे के उद्देश्य बतावा।

17. छत्तीसगढ़ी के उद्‌भव अऊ विकास म छोटकन लेख लिखा।

18. पूर्वी हिन्दी म कोन–कोन भाषा बोली के वर्णन होवे, बतावा।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. छत्तीसगढ़ हर भारतीय गणराज्य के कौनसा नम्बर के प्रदेश हे ? एखर विशेषता बतावा।
20. छत्तीसगढ़ी के शब्द समूह म अपन विचार ल बतावा।
21. छत्तीसगढ़ी म कय ठन संज्ञा होवे, विस्तार समेत बतावा।
22. छत्तीसगढ़ी राजभाषा बर एक ठन लिखना लिखा।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ के नामकरण अऊ ओकर इतिहास म बड़का लेख लिखा।
24. छत्तीसगढ़ी के शब्द सम्पदा अऊ ओकर प्रभाव म लेख लिखा।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N-393

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी व्याकरण **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. 'मनोहर' में कौनसी संज्ञा है ?
2. 'तैं ह अम्बिकापुर जावत हस' ? में 'तैं' क्या है ?
3. 'ए किताब कर का करबे' में कौनसा सर्वनाम है ? नाम लिखिए।
4. मोहिनी हर लाली लुगरा पहिने रहिस' में 'लाली' क्या है ? विशेषण का नाम लिखिए।
5. 'मॅय उत्तर लिखित हवॅव' किस काल का वाक्य है ?
6. 'कुकुरह बाबू के भात ला खा दिस' वाल्य में 'ला' कारक का नाम लिखिए।
7. 'नोनी ह दरचुरहा भात ला पसो दिस' में 'दरचुरहा' शब्द में कौनसा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है ?
8. 'घँवरा बइला' में कौनसा समास है ?

खण्ड–ब

9. संज्ञा क्या है ? किन्हीं पाँच व्यक्तिवाचक अथवा स्थानवाचक संज्ञाओं के नाम लिखिए।
10. सकमर्क क्रिया छत्तीसगढ़ी में उदाहरण देते हुए समझाइए।

11. लिंग की परिभाषा देते हुए छत्तीसगढ़ी लिंग उदाहरण सहित समझाइए।
12. वचन क्या है ? उदाहरण सहित लिखिए।
13. छत्तीसगढ़ी वाक्य का उदाहरण देते हुए सम्बन्ध कारक विभक्ति समझाइए।
14. देशज शब्द उदाहरण सहित लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. छत्तीसगढ़ी में कितने क्रियाभेद माने गए हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।
16. विराम चिंह क्या हैं ? छत्तीसगढ़ी में प्रचलित विराम चिंहों को लिखिए।
17. छत्तीसगढ़ी में कर्म कारक को समझाइए।
18. छत्तीसगढ़ी में विसर्ग संधि को उदाहरण सहित समझाइए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. शब्द की परिभाषा देते हुए उदाहरण सहित इसके प्रकारों को लिखिए।
20. छत्तीसगढ़ी उपसर्ग को समझाइए।
21. छत्तीसगढ़ी अधिकरण कारक समझाइए।
22. समास क्या है ? समास के भेदों को सविस्तार लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. संधि को बताते हुए स्वर संधि को सविस्तार समझाइए।
24. छत्तीसगढ़ी प्रत्यय को उदाहरण सहित समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N-394

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढी

विषय –छत्तीसगढ़ी काव्य **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. 'बोये हौं ए दारी तीन खाँड़ी जी' किस कवि की पंक्ति है ?
2. मंच लूटने वाले कवि के रूप में कौन से कवि जाने जाते हैं ?
3. 'कुछु काँही' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।
4. लाला जगदलपुरी छत्तीसगढ़ी की किस बोली में लिखते थे ?
5. नारायण लाल परमार की जन्मतिथि लिखिए।
6. 'फूल भरे अंचरा' किस कवि की डुति है ?
7. डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा किस सांस्कृतिक नाट्य मंच से जुड़े थे ?
8. 'हमर चिन्हारी' किसकी कृति है ?

खण्ड–ब

9. सन्त धर्मदास के पदों की विशेषताएँ लिखिए। (कोई पाँच)।
10. 'छत्तीसगढ़ी दानलीला' का कार्य विषय लिखिए।
11. टिप्पणी लिखिए–'बादर गीत'
12. टिप्पणी लिखिए–'हमर देश'
13. टिप्पणी लिखिए–छतनार बने लहराई
14. टिप्पणी लिखिए–खेत ला बिसार झन

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. पं. सुन्दरलाल शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
16. लाला जगदलपुरी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।
17. ''नारायण लाल परमार एक सफल मंचीय कवि हैं।'' कथन की समीक्षा कीजिए।
18. डॉ. निरूपमा शर्मा के साहित्यिक उपदान पर एक अतिदीर्घ निबन्ध लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :
    देखे बिन नन्दलाल के, अब तो नइ रहि जाय।
    जात सगा डर छांड़ केऋ धरिहौं मोहन पाँय।।
    चलो आज चलबो गोई! वृन्दावन के बाट।
    दही बेंचबो जाय के, मथुरा जी के घाट।।
    ललिता औ चन्द्रावलीऋ सुन प्यारी के बात।
    चलो चलो चलिबो गोई! कहि के पकरिन हाँत।।
20. ''लाला जगदलपुरी छत्तीसगढ़ी और हल्बी में सामंजस्य बनाने वाले साहित्य साधक हैं।'' सोदाहरण उत्तर दीजिए।
21. सन्दर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :
    बदरी रेंगिस खार म
    महानदी के पार म
    चारा चरथँय पानी पीमुँय
    घर लहुटँय मुँधिहार य
    भइया बर मोर भउजी करेला
    राँधे हावय करु–करु।
22. ''डॉ. जीवन यदु यथार्थ के कवि हैं।'' उनके काव्य के आलोक में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. हरि ठाकुर की कविताओं में निहित जन–जागरण लोक हितैषिता के उद्देश्य को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
24. लक्ष्मण मस्तुरिया के गीतों के भावपक्ष एवं कलापक्ष की सम्यक् विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसम्बर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसम्बर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**